

प्रसाषार्

EXTRAORDINARY

भाग 1---सप्र 1

PART I—Section 1

PUBLISHED BY AUTHORITY

तं • 149] नई विल्ली, मंगलबार, सितम्बर 8, 1970/भात 17, 18\$2

No. 149] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 8, 1970/BHADRA 17, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रक्षा जा सके । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICES

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 8th September 1970

SUBJECT.—Import of Capital goods (Balancing Equipment) against the U.K. Kipping Loan.

No. 134-ITC(PN)/70.—The U.K. Government have made available, as part of the assistance for Indian Economic development, a loan of £1.0 Million (Rs. 1.80 crores), to meet the requirements of U.K. oriented firms for balancing equipment.

- 2. It has been decided that these funds may be used for issue of licences to Actual Users in both the scheduled and non-scheduled sectors including small scale industries with equipment of British origin, for import of minor balancing equipment needed by them to maximise utilisation of equipment already in use. The amount available for the purpose being small as against the demand from entrepreneurs, it has been decided to consider applications only in these cases where:—
 - (i) The equipment in use is mainly of British origin; and
 - (ii) The value of the equipment sought to be imported is small in relation to the equipment already in use and does not exceed £25,000 c.i.L. value.

Applications from eligible importers should be supported by information as per proforma given in the Appendix to this Public Notice. In case, the application is not supported by the Appendix or incomplete faulty information is given in the Appendix, the application will be summarily rejected. It may be particularly noted that only one application should be submitted by each eligible importer. Acre than one application submitted by an importer will not be considered.

- 3. The terms and conditions which will be applicable to the licences to be issued against this loan are given in the Public Notice No. 50-ITC(PN)/70, dated the 4th April, 1970.
- 4. Applications from eligible actual users for the imports of minor balancing equipments in terms of this Public Notice may be submitted in the prescribed form and manner (Form—E) to the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi (Special Cell) by the 15th October, 1970.

APPENDIX

- 1. Name and complete address of the applicant.
 - (a) Factory.
 - (b) Registered Office.
- Nature of the concern, whether proprietary/partnership/Private Limited/ Public Limited.
- 3. Name of the Proprietors/Partners/Directors.
- 4. Whether borne on the list of DGTD/DG(SSI)/Iron & Steel Controller etc. (Quote Registration No. and date).
- 5. Whether the application is a small scale unit and if so, whether it will continue to remain so, after the proposed import: --
 - (a) Present total assets.
 - (b) Total assets after import of equipment applied for.
 - (c) Present value of Plant & Machinery.
 - (d) Value of Plant & Machinery after the import of equipment asked for.
- Industry to which the application relates.
- Description of equipment applied for. If possible, this may be furnished in the form of an annexure indicating the items to be imported and their respective c.i.f. value.
- 8. (a) Details of import licences granted to the applicant during the last 12 months i.e. value of equipment source of financing, whether imports effected etc.
- (b) Details of other applications separately made for import of Capital goods, which are still pending.
- Value of the present application.
- 10. Value of British Collaboration Technical or Financial. In case of financial collaboration, percentage of British Capital participation may be given.
- 11. Value of British Machinery currently in use.
- 12. Value of total machinery installed in the factory.
- 18. Whether applicant holds an Industries (D&R) Act Licence.
 - (a) The items of manufacture for which the applicant holds Industrial Licences.
 - (b) The licensed capacity and the installed capacity.
 - (c) Actual production in 1969.
 - (d) Likely increase in the capacity after the import of the equipment asked for.

विवेश व्यापार मंत्रालय

सार्वजनिक स्वनाएं

चावात स्थापार नियन्त्रण

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1970

विषय:--- पू० के० किप्पिंग लोन के लिए पूजीगत माल (शेष उपस्कर) का ग्रायात ।

सं 134 माई ० दी० सी० (पी० एन०)/70.—यू० के० सरकार ने शेष उपस्कर के लिए अभिविन्यस्त व्यवसाय मंघों की जरूरतों की पूरा करने के लिए भारत के आर्थिक विकास के लिए सहायता के रूप में 1.0 मिलियन गिंड (1.80 करोड़ रुपये) का ऋण उपलब्ध कराया है।

- 2. यह निश्चय किया गया है कि अनुसूची और गैर-अनुसूची वाले दोनों ही प्रकार के वास्तविक उपमोक्ताओं के लिए जितने ब्रिटिश मूल के उपस्कर के साथ लयु गैमाने उद्योग भी शामिल हैं, पहले से ही उपयोग में लगाए गए उपस्कर के उपयोग को उच्चतम सीमा को बढ़ाने के लिए उनके द्वारा जरूरत समते जाने गए, छोटे मेव उपस्कर के अपात के लिए लाइसेंस जारी करने के लिए इन राशियों का उपयोग किया जा सकता है। बूकि उयम कर्तामों की तरक से मांग अधिक है और धन-राशि इस कार्य के लिए कम है स्वति ए केनन उन्हों अपोदन प्रमुंगर विवार करने का निश्चय किया गया है जो :
 - (i) जित उपस्कर का व्यवहार किया जाता है वह ब्रिटिश मूल का है; ग्रीर
 - (ii) जिस उनस्कर का व्यवहार किया जा रहा है उसका मूल्य पहले से ही व्यवहार में आने वाले उनस्कर से कम है और सी० आई० ई० एक० मूल्य 25000 पौंड से अधिक नहीं है।

उन्युक्त आयात् हों द्वारा भेजे गर् आवेदन-पत इस सार्वजनिक सूचना के परिणिष्ट में दिए गए प्रति प्रन्न के अनुतार सूचना से समिति होने चाहिए। यदि आवेदन-पत्न पौरणिष्ट द्वारा समिति नहीं हैं या अपूरा है परिणिष्ट में गलत सूचना दो गई है, तो ऐसी स्थिति में आवेदन-पत्न को सरसरी, तौर पर अन्त्रोक्त कर दिया जाएगा। इसे विशेष रूप से जान लेना चाहिए कि प्रत्येक उपयुक्त आयातक द्वारा केन्न एक हो आवेदन नज भेजा जाना चाहिए। एक से अधिक भेजे गए आवेदन-पत्नों पर विचार नहीं किया जार्गा।

- 3. इस लाइसेंस के साथ लागू होने वाले नियम ग्रौर शर्तें जो इस ऋण के लिए जारी की जानें वाली हैं, वे सार्व जिनक सूचना संख्या 50 (ग्राई०टी०सी० पी० एन०)/70, विनांक 4 ग्रेप्रेस, 1970 में दी गई हैं।
- 4. इस सार्वजनिक सूचना की शतौं के अनुसार थोड़े शेव उपस्कर के आयात के लिए उपयुक्त वास्तिवक उपभोक्ताओं द्वारा भेजे जाने वाले भार्ड इन-पत्न निर्धारित छप में और विधिक साथ (फार्मई) मुख्य निरंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली (विशेष सेल) को 15 अक्तूबर, 1970 तक भेजा जा सकता है।

परिशिष्ट

- 1-- भावेदक का नाम भौर पूरा पता:
 - (क) फैंक्ट्री।
 - (ख) पंजीकृश कार्यालय।
- 2- यह किस प्रकार का है: स्वाभ्य/भागीवारी/निजी परिसीमित/सार्वेजनिक परिसीमित।
- 3- स्वामियों /भागीदारों/संचालकों का नाम ।
- 4-- क्या डी॰ जी॰ टी॰ डी॰/डी॰ सी॰ (एस॰ एस॰ आई॰)/लोहा झौर इश्पात नियंत्रक आदि की सूची में हैं:

(पंजीयन संख्या भीर तारीख वीजिए)

- 5— क्या आवेदक लघु पैमाने एकक का है भीर यदि हां, तो क्या प्रश्तादित भाषात करने के बाद ऐसा ही उसे बनाए रखेंगा।
 - (क) वर्तमान कुल परिसम्पत्ति
 - (ख) लागू होने वाले उपस्कर के भायात करने के बाद कुल परिसम्पत्ति ।
 - (ग) प्लान्ट भीर मगीनों का वर्तमान मूल्य ।
 - (घ) मांग किए गए उपस्कर भागात के बाद प्लान्ट भ्रीर मणीनरी का मूल्य।
 - 6--जित उद्योग से श्रावेदन-पत्न सम्बंध रखता है।
 - 7—जिस उपस्कर के लिए धार्वेदन किया गया है उसका विवरण यदि सम्भव हो, तो इसे धायात की जाने वाली मदों को दिखाने वाली धनुबन्ध के रूप में भेजा जाय और त्रमणः उनका सी० धाई० ई० एफ० मूल्य भी ।
- 8—(क) गत 12 महीनों के वौरान भावेदक को प्रदान किए गए आयात लाइसेसी का विवरण अर्थात् उपस्कर का मूल्य, अर्थयुक्त बनाने के साधन, जहां तक आयात को प्रभावित किया आदि।
 - (ख) उन ग्रन्य ग्रावेदन-पत्नों का विवरण जो पूजीगत माल के लिए ग्रहर कि दिए गए थे, जो ग्रामी विचाराधीन हैं।
- 9- वर्तमान म्रावेदन-पत्न का मूल्य ।
- 10- वर्तमान प्रयोग में झाने वाली क्रिटिश स्थीनो का मृत्य।
- 🛴 --फैक्ट्री में लगाई गई मशीनों का कुल मूल्य 🗜
- 12- वया उनमें से कोई ब्रिटिश सहयोग तक्मीकी या अर्थयुरत राली है ? अर्थर्वत सहयोग वाले होने की स्थिति में ब्रिटिश पूंजी सहयोग का प्रतिशत दिया जाए।
- 13--नया झावेदक के पास उद्योग (डी एण्ड झार) अधिनियम लाइसेस है:
 - (क) द्वावेदक के पास जो भौद्योगिक लाइसेस है, उसके लिए निर्माण की जाने वाली मदे।
 - (क) लाइसेंस द्वारा दिया गया सामर्थ्य भीर लगाई गई मशीन की समर्थता।
 - (ग) 1969 का बास्तविक उत्पादन ।
 - (घ) मांग किए गए उपस्कर के धायात के बाद क्षमता में वृद्धि की सम्भावना ।

Value Rs./lakht

GUBJECT.—Issue of import licences to Established Importers against the U.K. Kipping Loan.

No. 135-ITC(PN)/70.—The U.K. Government have made available, as part of the assistance for Indian economic development a loan of £1 Million (Rs. 1.80 crores) to meet the requirements of U.K. oriented firms, for import of spare parts required for servicing U.K. equipment in the country.

- 2. It has been decided that this loan may be used for issuing licences for import of spares to the representatives of British manufacturers of machinery and equipment, who have been receiving import licences as established importers or under earlier Kipping Loans, to import spare parts needed for servicing and maintaining the equipment supplied by their principals. Licences will also be issued to Established Importers for import of spares for printing machinery and mining machinery manufactured in the U.K.
- 3. As the amount available for the purpose is relatively small, preference will be given to importers of spare parts who have commitments to service existing equipment of British origin. Applications from eligible importers should be supported by information as per proforma given in the Appendix, to this Public Notice. In case, the application is not supported by the Appendix or incomplete/faulty information is given in the Appendix the application will be summarily rejected. It may be particularly noted that only one application should be submitted by each eligible importer. If more than one application is submitted by an importer only the first application will be considered.
- 4. The terms and conditions which will be applicable to the licences to be issued against this loan are given in the Public Notice No. 50-ITC(PN)/70, dated the 4th April, 1970.
- 5. Application may be submitted in the prescribed form and manner to the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi (Special Cell) by the 15th October, 1970.

APPENDIX

PROFORMA

- r. Name of the firm.
- 2. Washer the importer has any British Collaboration-Technical or Financial.
 - (a) In case the importer has financial collaboration the percentage of British Capital participation may be given.

Ouota items

3. Dittills of quota certificates held by the importer may be given as follows :---

Certificate No.

(c) Ad-hoc licences issued to manufacturers for im port

of stock and sale spare parts.

TOTAL

Date

| ii) | | | |
|--|--------------------------|---------------|-------------|
| (a) Total value (in Rs.) of all the quota certificates h | eldEby the in | mporters. | |
| . Value of actual imports as established importer f and 1968-69 may be given as follows:— | rom the U.K. | during 1966-6 | 67, 1967-68 |
| Category of imports. | 1966-67 | 1967-68] | 1968-69 |
| | (Value in Indian Rupees) | | |
| (s) Imports against Quota licence. | | | |
| (b) Imports against earlier Kipping Licences in the | | | |

Note:—Separate figures must be given for each category of imports. The import figures should be certified by the Auditors.

5 Name of the British Manufacturer(8) whom, where possible, the Indian Importer 19 representing and the approximate value of each equipment in use in India.

| Signature : —— | |
|-----------------------|--|
| for and on behalf of- | |

विषय.--पू० के० किप्पिंग लोन के लिए संस्थापित भ्रायातकों को ग्रायात लाइसेंस जारी किया जाना ।

सं० 135-माई० टी० सी० (पी०एम०)/70.—यू० के० सरकार ने हमारे देश में यू० के० उपस्कर को काम में लाने के लिए अपेक्षित फालतू पुजों के आयात के लिए अपिवित्यस्त व्यवसाय संघों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत के आर्थिक विकास के लिए सहायता के रूप में 1.0 मिलियन भींड (1.80 करोड़ रुपये) का ऋण उपलब्ध कराया है।

- 2. यह निश्चय किया गया है कि इस ऋण का उपयोग मशीन तथा उपस्कर के बिटिश निर्माण कर्ता के उन प्रतिनिधियों के लिए किया जाएगा जो संस्थापित झायातकों के रूप में या पूर्व किप्पिंग लोन के झन्तर्गत उनकी पूंजी द्वारा दिए गए उपस्कर को काम में लाने झौर उन्हें चालू रखने के लिए झावश्यकता होने पर फालतू पुर्जों के आयात के लिए लाइसेंस प्राप्त करते आ रहे है; मुद्रण मशीनें तथा खनन मशीनें जो यू०के० में बनाई गई हैं उनके लिए काम झाने वाले फालतू पुर्जों के झायात लाइसेंस भी संस्थापित आयातकों को दिए जाएंगे।
- 3. चूकि इस कार्य के लिए उपलब्ध-धन राशि ध्रमक्षा कृत कम है इसलिए उन आयातकों को वरीयता दी जाएगी जो ब्रिटिश मूल के वर्तमान उपस्कर को सुचार रूप में चलाने के लिए फालतू पुर्जी के आयात के लिए बचनबद्ध हो चुके हैं। उपयुक्त आयातकों द्वारा भेजे गए आवेदन पत्न प्रस्तुत सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दिए गए प्रति प्रपत्न के अनुसार सूचना से समर्थित होने चाहिएं यदि आवेदन-पत्न परिशिष्ट द्वारा समर्थित नहीं है या अधूरा है परिशिष्ट में गलत सूचना दी गई है तो ऐसी स्थित में आवेदन-पत्न को सरसरी तौर पर अस्वीकृत कर दिया जाएगा। इसे विशेष रूप से जान लेना चाहिए कि प्रत्येक उपयुक्त आयातक द्वारा केवल एक आवेदन पत्न भेजा जाना चाहिए। आयातक द्वारा एक से अधिक भेजे गये आवेदन पत्नों की स्थित में केवल पहले पर विचार किया जायेगा।
- 4. इंस ऋण के विपरीत लाइसेंसों के लिए जो लागू नियम तथा शर्ते जारी की जाएंगी वे सार्वजनिक सूचना सं० 50-आई० टी० सी० (पी० एन०)/70 दिनांक 4 अप्रैल, 1970 में दी गई हैं।
- 5. निर्धारित रूप में भीर विधि के साथ ग्रावेदन-पत्न, मुख्य नियंत्रक, भायात-निर्यात नई दिल्ली (विशेष सेल) को 15 अन्तूबर 1970 तक दिए जा सकते हैं। हस्ताक्षरित

पश्चिताऽट

प्रयय

- 1. उद्योग संघ का नॉम
- 2. क्या ग्रायातक के पास कोई ब्रिटिश सहयोग-तकनीकी या ग्रर्थयुक्त वाला है ?
- 3. (क) यदि ग्रायातक ग्रथंयुक्त सहयोग वाला है, तो ब्रिटिश प'जी सहयोग का प्रतिकार दिया आये
- ग्रायातक द्वारा रख गए कोटा प्रमाण-पन्नों के विवरण निम्नलिखित इस्प में दिए आ सकते हैं :---

प्रमाण-पत्र की संध्या दिनांक के: दाकी मरें मुल्य लाख में

- (1)
- (2)
- (3)
- (क) भ्राय तकों द्वारा रखें गए सभी कोटा प्रमाण-पद्मों का कुल मृत्य (रुपये में)
- 4. 1966-67, 1967-68 श्रीर 1968-69 के दौरान यु० के० से श्रायात करने वाले के रूप में क्षंस्थापित वास्तविक भ्रायातों का मुख्य निम्नलिखित के भ्रनुसार दिया जा सकता है :---

ग्रायातों की श्रेणी

1966-67 1967 - 681968-69

(भारतीय रुपये में मृल्य)

- (1) कोटा लाइसेंस के विपरीत प्रायात
- (2) संस्थापित भाषातकों के रूप में पूर्व किप्पिंग लाइसेंसों के विपरीत ग्रायात
- (3) 'संचयन ग्रीर विकी' फालतू पूजी के श्रायात के लिए निर्माणकत्तीश्रों को आरी किए गए तदर्भ लाइसेस।

कुल :

टिप्पणी: ग्रायातकों की प्रत्येक श्रेणी के लिए प्रिलग मलग मांकड़े भवश्य दिए जाने चाहिए। धायात-भ्रांकके लेखा परीक्षात्रों द्वारा सत्यापित होने चाहिएं।

 जहां सम्भवहो, उन ब्रिटिश निक्रीण-कर्या का नाम दें, जिसका भारतीय झायातक प्रतिनिधित्व करते है भीर भारत 🐞 🖦 गिर्फ जाने वाने प्रत्येक उपस्कर का भ्रनुमानित मृल्य दें।

| हस्ताक्षर | _ |
|--------------------|---|
| वास्ते भीर के बदले | |

SUBJECT :- Import Policy for the year April 1970-March 1971.

No. 136—ITC (PN)/70—Attention of importers is invited to the import policy as contained in the Import Trade Control Policy (Red Bock-Vol. I) for the period April 1970—March 1971.

2. The following amendments shall be made at appropriate placed in Vol. I of Red Book. 6rthe period April 1970—March 1971:—

| I age No. of the | Reference | Details of amendments |
|----------------------|-------------------------|--|
| Red Book (Vol. I) | | |
| | | |
| 20 | Section I Danaguanh roo | The following centerne were he deemed to have hear |

- 20 Section I, Paragraph 100 The following sentence may be deemed to have been added at the end of this paragraph:
 - "The actual users applying for import of spare parts of tractors should also furnish the following information in their applications in respect of the tractors for the maintenance of which spare parts are applied for :—
 - (i) Model/Make of tractor.
 - (ii) Year of purchase of tractor.
 - (iii) Horse Power.(iv) Original c.i.f. prices of the tractor."
 - Section II, S No. 43-B/I, The existing remark may be deemed to have been Column 4.
 - "A.U. for import of antimony load for manufacture of storage batteries."
 - 35 Section II, S. No. 46-A/I, The exsisting remark may be deemed to have been Column 4.
 - "A.U. for import of antimony for manufacture of storage batteries."
- 45 Section II, S. No. 25(d)/II, The following words may be deemed to have been added at the end of remark:—

 "as per ISI specifications."
- 46 Section II, S. No. 29/II, The existing remark may be deemed to have been Column 4. substituted by the following remark:—
 - "A.U. applications for spare parts will be considered in consultation with the D.G.T.D."
- \$1 Section II, S. No. 40(b)/V, For the existing description 'Sodium Nitrate (Chilean Nitrate)'.
 - Read 'Sodium Nitrate'
- 97 Section II, S. No. 78(ix)/V. The following new item may be deemed to have been Column 4, remark (i). inserted
 - "(c) Glass electrodes for manufacture of neon signs."
- ro8 Section II, S. No. 122(i)/V, The existing romark may be deemed to have been Column 4, remark (5).

 "A II for import of Polyning heavy aftering sheets."
 - "A.U. for import of Polyvinyl butyral resta sheets for manufacture of safety glass."
- Section II, S. No. 122(xx)/V, Release orders for polypropylene will be issued for Column 4, remark (1). 20% of the actual users' entitlement for raw materials.
- 117 Section III, Part A, S. No. For the existing description 'Sodium Nitrate'.

 (Chhilean Nitrate'. 'Sodium Nitrate'.

| 122 S | Section IV, S. No. 30 (f) (iii)/ | | |
|---------|--|--|--|
| | 11, Column 4. | The following new remark been inserted:— | k(5) may be deemed to have |
| | | "(5) Import of items mer 26 other than those inc not be allowed." | ntioned in List I of Appendix cluded in Appendix 4-A will |
| 122 5 | Section IV, S. No. 31(b)/II, Column 4. | The following new remain been inserted:— | rk (3) may be deemed to have |
| | | "(3) Import of items me 26 other than those inc not be allowed." | entioned in List I of Appendix Eluded in Appendix 4-B will |
| 143-144 | Section IV, S. No. 92(c)V, Column 4, Remark (2) | The existing remark (2) substituted by the fo | may be deemed to have been llowing remark:— |
| | | "(2) Quota licences will of spare parts of the machines:— | not be valid for the import he following categories of |
| | | (i) Beam Scales s | and Weigh Master Beams. |
| | | (ii) Counter Scale | 8. |
| | | (iii) Steel Yard Pla | |
| | | (iv) Steel Yard Po | |
| | | (v) Transportable | Plateform Scales. |
| | | (vi) Steel Yard Ca mant Weigher | rt Weigh Bridges and Dor- |
| 266 | Section V, Appendix 16 Item No. 7(c) | to have been substitu | of the item may be deemed ited by the following: |
| | | "Soft and absorbant ti teen) gm. in sub | ssue paper below 18 (eigh- stance.' |
| 267 5 | Section V, Appendix 19, Annexure 2 | The following item app deemed to have been | pearing at S. No. 27 may be deleted: |
| | | English name of the crude drug. | Ayurvedic and Unani name of the crude drug. |
| | | Viola Odorala Linn. | Banafsha. |
| 268 | Section V, Appendix 19, Annexure 3(A), Item No. | The existing description to have been substitu | of this item may be deemed ted by the following: |
| | 31. | "p-Dimethylamino-bo | nzaldehyde (Ehrlich reagent) |
| 300 5 | Section V, Appendix 24, | For the existing Colour | Index No. '73355' |
| | Paragraph 6, remark 3, item No. 10—Vat Orange RF. | Read '73335' | |
| 336 8 | Section V, Appendix 8, List VI. | The existing heading a substituted by the following the following the following the following the substituted by the following the following the substituted by the following the substituted by the following the substituted by the substituted | may be deemed to have been lowing:— |
| | | import by actual except those in Appendix will be | s which will be allowed for all users. Other pesticides acluded in List III of this allowed for import by actual atton with DGTD and Plant ser." |
| 363 | Section V, Appendix 134, Part II, List B. | included in this li | |
| | | tic Top Dyeing m | |
| | | 2. Wool/Synthetic To | op Dyeing machine." |

| Page No. of the Red Book (Vol. I) | Reference | Details of amendments |
|--|---|--|
| 363 <u>—</u> 364 | Section V, Appendix 34, Part II, List C | The following items occurring at S. Nos. 9 and 23 may be deemed to have been deleted: |
| | | "I. High Pressure/High Temperature Wool/ Synthetic Top Dyeing machine. |
| | | 2. Wool/Synthetic Top dyeing machine." |
| 424 | Section V, Appendix 41, paragraph 23. | The following sentence may be deemed to have been added at the end of this paragraph:— |
| 429 | Section V, Appendix 41, Schedule 'B'. | "This will not apply to small scale units." The following sentence may be deemed to have been added at the end of existing note:— |
| | | "Such billets/wire-rods received by the wire-rods producers/wire drawing units for processing into wire-rods/wires shall not be taken into account for determining consumption of raw materials for wire-rods producers/wire-drawing units for fixation of import entitlement for them." |
| 431 | Section V, Appendix 41, Schedule 'C', Item No. 7, Column 3, Remark (b) line 1. | For the existing word 'excluding', Read 'exceeding'. |
| 435 | Section V, Appendix 41, Schedule 'D', item No. 8, column 2. | The existing description may be deemed to have been substituted by the following:— "Cold Rolled Steel Strips [not mentioned at Serial Nos. 1 to 7 above, having max. width upto 350 mm excluding stainless steel strips." |
| | विवय :अर्थ ल, 1970-मार्च, | 1971 वर्ष के लिए म्रायात नीति । |
| 1971 वे | • | एन०)/70.—श्रायातकों का ध्यान स्नप्रैल, 1970-मार्च, नीति (रैंड कुक-वाल्म-1) में निहित स्रायात में ति की स्रोर |
| | मप्रैल, 1970-मार्च, 1971 की स्थलों में किए जाएंगे : | श्रवधि के लिए रैडबुक के वालुम—1 में निम्निलिखित संक्षोधन |
| | (वालुम-1) संदर्भ संख्या | संसोधन का स्थीरा |

1 2 इस कंडिका के अन्त में निम्निलिखत वाक्य जोड़ा गया है, समझा जाये।

''वास्तविक उपभोक्ता जो ट्रैक्टर के फाललू पूजीं के भायात के लिए भावेदन करते हैं, ट्रैक्टर के भ्रतुरक्षण के लिए जिन फालतू पुजीं के लिए

म्रावेदन किया गया है उस के संबंध में उन्हें

| 1 | 2 | 3 |
|----|---|---|
| | | चाहिए कि ग्रयने ग्रादेदन-पद्म में निम्नसिखित जानकारी भी भेजें : |
| | | (1) ट्रैक्टर का मा डल मेक । |
| | | (2) ट्रैक्टर के खरीदने का वर्ष। |
| | | (3) अभ्वशक्ति । |
| | | (4) ट्रैक्टर की मूल लागतबीमा-भाष्कीमत । |
| 33 | खंड 2, त्रम सं० 43 बी/1 कालम 4 | वर्तमान टिप्पणी निम्नलिखित टिप्पणी द्वारा बदली गई समझी जाए: |
| | | ''संचालक बैटरी के निर्माण के लिए वास्त- विक उपभोक्ता के लिए एंटिमोनी का भ्रयात।'' |
| 35 | खंड 2~∼−क्रप सं० 47–ए-1, कालम 4 | वर्तमान टिप्पणी निम्नलिखित टिप्पणी द्वारा बदली गई समझी जाए: |
| | | "संचालक बैटरी के निर्माण के लिए वास्त- विक उपभोक्ता के लिए एंटिमोनी का ग्रायात।" |
| 45 | खंड-2, ऋम सं० 25 | निम्नलिखित शब्दों को टिप्पणी के ग्रन्त में जोड़ा |
| | (डी)/2, कालम-4 | गया समक्षा जाए : |
| | टिप्पणी (1) | ''ग्राइ० एस० म्राई० के विशिष्ट विवरण के' ग्रनुसार ।'' |
| 46 | खंड 2, ऋम सं० 29/2 कालम 4 | , धर्तमान टिप्पणी निम्नलिखित टिप्पणी द्वाराः अदली गयी समझी जाए:— |
| | | "डी० जी० टी० डी० के साथ परामर्श करके फालतू पुजों के लिए वास्प्रविक उप- भोक्ता के भावेदन पत्नों पर विचार किया जाएगा।" |
| 81 | खंड 2, कम सं० 4.0 (बी)/5,कालम-2 | वर्तमान विवरण ''सोडियम नाक्ट्रेट (चिलीन नाक्ट्रेट)'' को ''सोडियम नाक्ट्रेट'' पढ़ें । |
| 97 | खांड 2, फ्रम सं० 7 8 (9)/5, का लम-4 , टिप्पणी (1) | निम्नलिखित नयी मद को शामिल किया गया समझा जाए: "(सी)नियान साइनों के निर्माण के लिए कांच विद्युदग्र।" |

1 2 3 108 वर्गमान टिप्पणी निम्निमिखित टिप्पणी द्वारा खंड 2, ऋप सं० 122 बदली गयी समझी जाए :---(1) 5, कालम 4, टिप्पणी (5) "सेफटी ग्लास के निर्माण के लिए पोलिबिनल ब्टिरल रेजिन्स शीट्स के भ्रायात के लिए वास्तविक उपभोक्ता।" खंड 2, कम सं० 122 कच्चे माल के लिए वास्तविक उपभोक्ता की 109 हकदारी के 20 प्रतिशत के लिए पोलिशोफ-(25)/5, कालम 4, लिन के लिए बंटन झादेश जारी किए जाएंगे। टिप्पणी (1) वर्तमान विवरण "सोडियम नाइट्रेट (चिलीन खंड 3. भाग ए ऋम सं० 117 नाइट्रेट)" को "सोडियम नाइट्रेट" पढें। 40 (की) / 4, कालम 2 निम्नलिखित नथी टिप्पणी (5) को शामिल किया खंड 4, कम सं 0 30 (एफ) 122 (3)/2 कालम 4 गया समझा जाए:---"(5) परिशिष्ट 26 की सूची 1 में उल्लि-खित मदें जो परिशिष्ट 4-ए में शामिल मदों से भिन्न हैं, भायात की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।" निम्नलिखित नयी टिप्पणी (3) को जोड़ा गया खंड 4, %म सं० 31 122 (बी)/2, कालम 4 समझाजीए:---"(3) परिशिष्ट 26 की सुची 1 में उल्लि-खित मदें जो परिशिष्ट 4-की में शामिल मदों से भिन्न हैं, बायात की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।" खंड 4, श्रम सं० 92 वर्तमान टिप्पणी (2) 143-144 (सी)/5 कालम 4, टिप्पणी (2) निम्नलिखित टिप्पणी द्वारा बदली गयी 'समझी **जा**ए :---"(2) निम्नलिखित श्रेणी की मशीनों के फालतू पूजों के भाषात के लिए कोटा लाइसेंस वैध नहीं होंने। (1) बीम स्केल तथा तौलने वाले मास्टरबीम । (2) काउन्टरस्केल । (3) इस्पात यार्ड बैच प्लेटफार्म स्केल । (4) इस्पात या इं सुवाह्य स्केल।

| 1 | 2 | 3 |
|-----|--|--|
| | | (5) परिवहनीय प्लेटफार्म स्केल । (6) इस्पात यार्ड कार्ट वियरस क्रिजेस तथा डोरमेन्ट वेयरस । ।" |
| 226 | खंड 5, परिशिष्ट 16, मदसं० 7(सी) | वर्तमान मद के विवरण को निम्नलिखित दारा बदला गया समझा आए:— |
| | | "नर्म तथा प्रवक्षोषक टिसुपेपर जो ब्रब्स भिं 18 (ग्रट्टारह) जी० एस० ृे एम० से कम है।" |
| 267 | खंड 5, परिभिष्ट 19 श्रनुबन्ध 2 | त्रभ सं० 27 पर विखाई गई निम्नलिखित मद हटाई गई समझी जाए: |
| | ग्रपरिजन्न भीषय का ग्रंपेजी नाम वियोला ग्राडोरला लिस | द्धपरिच्छत ग्रोषष का ग्रायुर्वेषिक तथा यूनानीः नाम बनफशा |
| 268 | खंड 5, परिभाष्ट 19, अनुबन्ध 3(ए) मद सं 0 31 | प्रस्तुत मद का वर्तमान विवरण निम्नलिखिल द्वारा बदलागयासमझा अग्रि:— |
| | | ''पी-डाइमेथिलैंमिनो बेंजेलाडिहाइड (६रलिक रिजेन्ट) ''। |
| 300 | खंड 5, परिशिष्ट 24, कंडिका 6, टिप्पणी 3, मद सं0 10-वेट ग्रारेन्ज ग्रार एफ | वर्तमान रंग सूचक सं0'73355¶को '73335ं' पके । |
| 336 | खंड 5, परिशिष्ट 28, सूची 6 | वर्तमान कीर्षक निम्नलिखित कारा विदला गया समका जाए:— |
| | | कीटनाशक की सूची जो वास्तिविक उपभोक्ता द्वारा आयात के लिए स्वीकृत होगी। प्रस्तुत परिशिष्ट की सूची 3 में शामिल कीटनाशक को छोड़ कर अय कीटनाशक के लिए बीठ जीठ टीठ बीठ तथा बनस्पति रक्षण सलाहकार से परामर्श सेने पर वास्तिविक उपभोक्ता द्वारा भाषात के लिए स्वीकृति वी आएगी। |

| 1 | 2 | 3 |
|---------|---|--|
| 363 | खंड 5, परिभिष्ट 34, भाग-2 सूची बी | प्रस्तुत सूची में निम्नलिखित मदें सम्मिलित की गई समझी जाए:— |
| | | "1. उच्च दाबीय/उच्च तापीय ऊन/सिन्येटिक टाप डाइंग मशीन । |
| | | 2. अन / सिन्थेटिक टाप डाइंग मझीन।" |
| 363-364 | खंड-पांच, परिणिष्ट 34, भाग-दो, सूची-जी, | निम्निलिखित मदे जो कम संख्या १ भीर 23 में हैं, हटाई गई समझी जाएं : "1. उच्च दाबीय/उच्च तापीय छन/ सिन- थेटिक टाप डाइंग मशीन । 2. अन/सिन्थेटिक टाप डाइंग मशीन ।" |
| .424 | खंड-पांच परिशिष्ट-41, कंडिका-23 | प्रस्तुत कंडिका के धन्स में निम्नलिखित वाक्य की जोड़ा गया समझा जाए:—— ''यहलक् रैमाने एक्कों के लिए लागूनहीं होगा।'' |
| -429 | खंड-पांच, परिशिष्ट-41, सूचक ''बी'' | निम्नलिखित याक्य को इस नोट के भ्रन्त में जोड़ा गया समझा जाए: |
| | | "इस प्रकार के बिलैट/तार राज जो तार राज/ तारों में संसाधन के लिए तार राज उत्पादकों/ तार प्राप्त करने वाले एक्कों द्वारा प्राप्त किए गए हैं, उसे तार राज उत्पादकों।तार प्राप्त करने वाले एक्कों के लिए उनकी जो हकदारी है उसके ग्रायात के नियतन के लिए कच्चे माल के उपभोग का निश्चय करने के लिए विचार नहीं किया जाएगा। |
| 431 | खंड 5, परिशिष्ट 41 धनुसूची 'सी' मृद सं० 7, कालम 3, टिप्पणी (बी)/पंक्ति | वर्तमान शन्य ''एक्सक्लूडिग'' के लिए ''एक्सीडिग'' पढ़ें। 1 |
| 435 | खंड 5 परिशिष्ट 41, धनुसूची, 'डी' मद संव 8, कालम 2 | यतंमान विषरण को निम्नलिखित द्वारा बदला गया समझा जाए । गोल्ड रोन्ड स्टील स्ट्रिप्स स्टीनलैंस स्टील स्ट्रिप्स के प्रतिरिक्त जो उपर्युक्त कम सं० 1-7 में नहीं बताई गई है, उसका प्रधिकतम विस्तार 350 एम एम है। |

JEC. 1]

SUBJECT .- Import Policy for the period April 1970-March, 1971.

No. 137-ITC(PN)/70.—Attention of importers is invited to the import policy as contained in the Import Trade Control Policy (Red Book—Vol. I) for the period April 1970—March 1971.

2 As a result of the representations received, it has been decided to make the follwing amendment in the I.T.C. Policy (Red Book-Vol. I) for the period April 1970—March, 1971 1—

Page No. of the Red Book (Vol. I)

Reference

Details of amendments

Section IV, Appendix 36, The existing entry may be deemed to have been substituted by the following:—

"Bucky Table hand or motor driven except those

"Bucky Table, hand or motor driven, except those having trendelenburg position of 45° or 90-90° and specialised tables for Urology Neurology, Angiography and Angio-Cardiography".

R. J. REBELLO Chief Controller of Imports & Exports.

विषय .--- ग्रप्रैल, 1970 मार्च, 1971 की ग्रवधि के लिए ग्रायात नीति ।

सं 137-माई विशेषा (पी एप) /70.—प्रश्रील, 1970-मार्च, 1971 की प्रविधि के लिए प्रायात व्यापार नियंत्रण नीति (रैंड बुक-वालुम 1) में निहित प्रायात नीति की ग्रोर प्रायातकों का ध्यान ग्राकृष्ट किया जाता है।

श्रभिवेदनों से भाज होते के अज्ञाहत का, यह निश्वम किया गया है कि श्रमील, 1970-मार्च, 1971 की श्रविध के लिए ग्रायक्त क्यापार नियंत्रण नीति (रह दुक-वालुम-1) में निस्त्रलिखिल संशोधन किए आएं:---

रैंड बुक (वाल्म-1) संदर्भ संशोधनों का विवरण की पृष्ट सं०

393

खंड-4 परिणिष्ट 36, वर्नेमान प्रविष्टि को निम्नलिखित द्वारा बदला मद (बी) (4) गया है, समझा जाए:—

"45° तथा 90-90° की द्रैग्डलेनवर्ग स्थिति वाली तथा डरलाजि, त्योंलाजि एगियोग्राफी, तथाएगियों-काडियोग्राफी के लिए विशेषी-कृत टेबुलों के ग्रांतिरिक्त मोटर ग्रथवा हाथ से चलाई जाने वाली दक्की टेबलें।

> भार० जे० रवैलो, मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियात

